मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय
राजा भोज मार्ग (कोलार रोड) चूना भट्टी
भोपाल (म.प्र.) 462016

पाठ्यसामग्री लेखन/सम्पादन हेतु सूचना

विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों बी.एड. (सामान्य/विशेष शिक्षा)/डी.एल. एड. **हेतु (शालेय शिक्षा में कार्यरत स्थायी यू.डी.टी./लेक्चरर** आर.सी.आई/एन.सी.टी.ई. से मान्यता प्राप्त निजी विश्वविद्यालय) एवं स्नातक/स्नात्तकोतर में कला /विज्ञान/वाणिज्य/प्रबंधन/कम्प्यूटर साइंस आदि विषयों **के** एस. एल.एम. (Self learning material) का लेखन कार्य हिन्दी माध्यम में कराने हेतु यू.जी.सी. से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापको/सहायक प्राध्यापको/विषय विशेषज्ञो के वायोडाटा आवेदन सहित दिनांक 30. 12.2017 तक आमंत्रित किये जाते हैं। अनुभवी लेखको को प्राथमिकता दी जावेगी। लेखको का चयन वि.वि. में गठित समिति द्वारा किया जावेगा। यू.जी.सी./इग्नू/विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दरों पर लेखन/सम्पादन का मानदेय भुगतान किया जावेगा। लेखकों के चयन हेतु निर्देश वि.वि. की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अंतिम तिथि के उपरांत प्राप्त आवेदनो पर विचार नहीं किया जावेगा।

कुलसचिव

एस. एल. एम. लेखन/ सम्पादन कार्य के निर्देश

1. आवेदक को लेखन कार्य हेतु यू.जी.सी. से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में कम से कम 05 वर्षो का अध्यापन कार्य के अनुभव का (जिस विषय में आपकी नियुक्ति हुई हो) प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।
2. आवेदक के कम से कम 05 रिसर्च पेपर एवं 03 आर्टिकल स्तरीय रिसर्च जर्नल में प्रकाशित होना चाहिए।
3. सम्पादन कार्य हेतु यू.जी.सी. से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में कम से कम 08 वर्षो का अध्यापन कार्य का प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।
4. समस्त चयन प्रक्रिया के पश्चात् कार्यादेश जारी होने से 60 दिनो में आवेदक को लेखन कार्य पूर्ण करना होगा।
5. आवंटित लेखको को सम्पादन कार्य कराने के उपरांत सम्पादक का प्रमाण पत्र देयक के साथ संलग्न करना होगा।
6. लेखन कार्य हेतु **DevLys 010 Font** में साइज 12 एवं स्पेशिंग 1.5 होना चाहिए।
7. स्नातक हेतु लेखन कार्य 30 **Printed Page A-4 Size** में होना चाहिए डायग्राम के साथ 40 पेज होना चाहिए।
8. स्नातकोतर हेतु लेखन कार्य 40 **Printed Page A-4 Size** में होना चाहिए डायग्राम के साथ 50 पेज होना चाहिए।
9. लेखन कार्य विश्वविद्यालय की वेवसाइट पर उपलब्ध पाठ्यक्रम के अनुसार एवं दूरस्थ शिक्षा के अनुरूप होना चाहिए।
10. लेखन कर्ता को उसके द्वारा लिखित एस.एल.एम. में किसी भी प्रकार की त्रुटि नहीं है का प्रमाण पत्र देना होगा।
11. स्वीकृत लेखक को यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि उनके द्वारा किया गया लेखन कार्य पूर्णतः मौलिक है एवं किसी पुस्तक अथवा लेख की नकल नहीं है।
12. लेखको के द्वारा किये गए समस्त लेखन का कापीराइट विश्वविद्यालय का होगा।
13. विषय का विद्वान ही उस विषय का लेखन कार्य करेंगे।
14. लेखन की भाषा अत्यन्त सरल एवं पठनीय होना चाहिए। क्लिष्ट भाषा का प्रयोग लेखन में न किया जावे।
15. लेखन के देयकों का भुगतान सम्पादक के प्रमाण पत्र के उपरान्त किया जावेगा।
16. सम्पादक/लेखक का नाम – पुस्तक के द्वितीय पृष्ठ पर प्रकाशित किया जावेगा।
17. स्नातकोतर स्तर पर उसी पेपर का एस.एल.एम. लिखें जिस पेपर का आप अध्यापन कार्य करते रहे हो। उसका प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।
18. लेखक उनके द्वारा दी गई तथ्यात्मक जानकारी का सन्दर्भ आवश्यक रूप से उल्लेखित करे।
19. किसी भी प्रकार के विवादास्पद तथ्य या विश्लेषण का मान्य सन्दर्भ प्रस्तुत करें।
20. बी.एड. (सामान्य/बिशेष शिक्षा) एवं डी.एड. के एस.एल.एम. लेखन हेतु शिक्षा महाविद्यालय एवं शालेय शिक्षा में कार्यरत यू.डी.टी. एवं स्थायी लेक्चरर एवं आर.सी.आई./एन.सी.टी.ई. से मान्यता प्राप्त निजी महाविद्यालय के शिक्षक होना आवश्यक है